भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 243
दिनांक 08.08.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति

***243. श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेलः**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो इस संबंध में कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा संस्वीकृत धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का दमन में जलापूर्ति के लिए कलेम नदी पर बांध बनाने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो बांध का निर्माण कब तक हो जाएगा; और
(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री
(श्री सी आर पाटिल)

(क) से (ङ): उत्तर का विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के संबंध में श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल द्वारा दिनांक 08.08.2024 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *243 के संबंध में भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) और (ख) भारत सरकार देश के सभी ग्रामीण परिवारों को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में, निर्धारित गुणवत्ता के साथ सुरक्षित तथा पीने योग्य नल जल आपूर्ति का प्रावधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, भारत सरकार ने अगस्त 2019 में दादरा और नगर हवेली व दमण एवं दीव (डीएंडडी और डीएनएच) सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी में कार्यान्वित किए जाने वाले जल जीवन मिशन (जेजेएम) का शुभारंभ किया। पेयजल राज्य का विषय है और इसलिए, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति योजनाओं की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों की सहायता करती है।

डीएंडडी और डीएनएच ने स्वयं को 'हर घर जल' संघ राज्य क्षेत्र के रूप में प्रमाणित किया है, अर्थात् इस संघ राज्य क्षेत्र में 100% ग्रामीण परिवारों को पाइपगत जलापूर्ति प्राप्त हो रही है।

अगस्त 2019 में जेजेएम की शुरुआत के समय, डीएंडडी और डीएनएच सहित सभी संघ राज्य क्षेत्रों से जेजेएम के तहत निधि प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया गया था। तथापि, डीएंडडी और डीएनएच जेजेएम के तहत कोई धनराशि नहीं ले रहे हैं।

(ग) से (ङ) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****